

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
DEPARTMENT OF HEALTH AND FAMILY WELFARE**

**RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO.272
TO BE ANSWERED ON THE 29TH MARCH, 2022**

BRANCHES OF AIIMS IN THE COUNTRY

272 # SHRI REWATI RAMAN SINGH:

Will the Minister of **HEALTH AND FAMILY WELFARE** be pleased to state:

- (a) the total number of AIIMS which are functional in the country at present;
- (b) the status of AIIMS, Gorakhpur and Raebareli, Uttar Pradesh in comparison to AIIMS, New Delhi;
- (c) the extent of reduction in the number of patients registered in AIIMS, New Delhi due to the functioning of newly set up AIIMS in other cities of the country; and
- (d) the details thereof ?

**ANSWER
THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(DR MANSUKH MANDAVIYA)**

(a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

**STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO. 272* FOR 29TH MARCH, 2022**

Besides AIIMS, New Delhi, six new AIIMS sanctioned in Phase-I of the Pradhan Mantri Swasthya Suraksha Yojana (PMSSY) are fully functional. In addition, MBBS classes and OPD services have started in 10 new AIIMS. In another 2 AIIMS, only MBBS classes have started. Limited IPD services have also been operationalized in six AIIMS.

AIIMS at New Delhi has been functioning for more than six decades and has established itself as a premier institute in the country and internationally in areas of teaching/learning, research and patient care. As compared to AIIMS, New Delhi, the newly set up AIIMS at Gorakhpur and Raebareli, Uttar Pradesh are at an early stage of their establishment. MBBS classes, OPD services and partial IPD services have started at both these AIIMS.

Number of patients visiting any particular hospital depends upon many factors, including growth of population and its age profile, incidence of diseases, health-seeking behaviour of people, expansion in the healthcare facilities at various levels etc. It is, therefore, difficult to isolate specific impact on patient load in AIIMS, New Delhi, on account of opening of new AIIMS in various parts of the country. As reported by AIIMS, New Delhi, the number of OPD patients increased from about 25.41 lakh in 2018-19 to about 26.39 lakh in 2019-20. Though there has been decline in OPD patients in the Institute during 2020-21 and 2021-22, this is attributed to COVID 19 pandemic and its impact on normal non COVID health services in the hospital.

* * * * *

भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: 272
29 मार्च, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की शाखाएं

***272. श्री रेवती रमन सिंह:**

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में इस समय कुल कितने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान कार्यात्मक हैं;
- (ख) नई दिल्ली स्थित 'एम्स' की तुलना में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर और रायबरेली स्थित 'एम्स' की स्थिति क्या है;
- (ग) देश के अन्य शहरों में नवनिर्मित 'एम्स' के कार्यात्मक होने के कारण 'एम्स', नई दिल्ली में पंजीकृत रोगियों की संख्या में कितनी कमी दर्ज की गई है; और
- (घ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

29 मार्च, 2022 के लिए राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. 272 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

एम्स, नई दिल्ली के अलावा, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के चरण-1 में मंजूर किए गए छह एम्स पूरी तरह से कार्यशील हैं। इसके अतिरिक्त, 10 नए एम्स में एमबीबीएस कक्षाएं और ओपीडी सेवाएं शुरू हो गई हैं। अन्य 2 एम्स में, केवल एमबीबीएस कक्षाएं शुरू हुई हैं। छह एम्स में सीमित आईपीडी सेवाएं भी प्रचालनरत कर दी गई हैं।

नई दिल्ली स्थित एम्स छह दशकों से अधिक समय से संचालनरत है और इसने अपने आप को देश में तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण/ अधिगम (लर्निंग), अनुसंधान और रोगी परिचर्या के क्षेत्रों में एक प्रधान संस्थान के रूप में स्थापित कर लिया है। एम्स, नई दिल्ली की तुलना में, गोरखपुर और रायबरेली, उत्तर प्रदेश में स्थापित नए एम्स अपनी संस्थापना के प्रारंभिक चरण में हैं। इन दोनों एम्स में एमबीबीएस कक्षाएं, ओपीडी सेवाएं और आंशिक रूप से आईपीडी सेवाएं शुरू हो चुकी हैं।

किसी अस्पताल विशेष में आने वाली रोगियों की संख्या अनेक कारकों पर निर्भर है जिनमें जनसंख्या में वृद्धि और उसमें शामिल आयु वर्ग, रोगों की व्याप्तता, स्वास्थ्य के प्रति मांग को लेकर लोगों का व्यवहार, विभिन्न स्तरों पर स्वास्थ्य परिचर्या सुविधाकेंद्रों का विस्तार आदि शामिल हैं। इसलिए देश के विभिन्न भागों में नए एम्स खोलने से एम्स, नई दिल्ली के रोग भार पर पड़ने वाले विशिष्ट प्रभाव को अलग से दर्शाना कठिन है। एम्स, नई दिल्ली द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2018-19 में ओपीडी मरीजों की संख्या लगभग 25.41 लाख थी जो 2019-20 में बढ़कर लगभग 26.39 लाख हो गई। हालांकि कोविड-19 महामारी और इससे अस्पताल में सामान्य गैर-कोविड स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव के कारण वर्ष 2020-21 और 2021-22 में ओपीडी रोगियों की संख्या में कमी रही है।

श्री रेवती रमन सिंह : मान्यवर, माननीय मंत्री जी ने जो जवाब दिया है, उसमें मेरा सवाल यह है कि फर्स्ट फेज में 6 AIIMS खोले गये थे, जिनमें दिल्ली का AIIMS भी शामिल था। लेकिन अगर आप देखें तो उसके बाद 10 AIIMS और खोले गये, लेकिन उन AIIMS में आज तक ठीक से इलाज की व्यवस्था नहीं हो पा रही है, जिसकी वजह से ज्यादा से ज्यादा लोग दिल्ली AIIMS में अपना इलाज कराने के लिए आते हैं। क्या मंत्री जी बताएंगे कि जो उनको एक-एक साल का टाइम मिलता है, उन्हें इलाज कराने की इतनी लम्बी डेट क्यों मिलती है?

डा. भारती प्रवीण पवार : आदरणीय उपसभापति महोदय, मैं इस प्रश्न के लिए आदरणीय सदस्य को धन्यवाद देना चाहूंगी। हमारे देश में पहली बार ऐसा हुआ है कि जब एक AIIMS बना तो उसके बाद उसकी एक ऐसी मिसाल खड़ी हुई कि सभी ने चाहा कि सबके लिए AIIMS बनना चाहिए। आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने इसी बात को गौर से देखा। आज हमारे 22 नये AIIMS बनने जा रहे हैं, यह बड़े ही गर्व की बात है। जैसा माननीय सदस्य ने हमारे जो AIIMS दिल्ली के बाद बने हैं, उनके बारे में कहा तो मैं जरूर कहना चाहूंगी कि जो 22 AIIMS खड़े हुए हैं, उनमें से 6 AIIMS fully functional हैं, जिनमें कि emergency है, trauma care है, blood bank की सुविधा है, ICU है, diagnostic labs हैं, pathology है, लेकिन फिर भी आपने कहा कि वहां waiting period है। ये जो 6 AIIMS हैं, मैं कहना चाहूंगी कि वहां average हमारे 15,000 पेशेंट्स डेली OPD विजिट करते हैं, वे वहां देखे जाते हैं। Besides, more than 17,000 patients getting treatment in IPD every month. In these six AIIMS, every month, 7,000 major and minor surgeries भी हो रही हैं। इसके अलावा बाकी AIIMS में कॉलेज का भी काम चल रहा है और OPD भी खड़ा है। उनमें से लगभग 10 AIIMS में OPD चालू है। सर, हमारी सरकार का यही कहना है कि मेडिकल की एक अच्छी शिक्षा भी खड़ी हो और tertiary care भी बहुत ही अच्छी हो, इस कारण ये AIIMS बन रहे हैं।

श्री उपसभापति : दूसरा सप्लीमेंटरी।

श्री रेवती रमन सिंह : मान्यवर, माननीय मंत्री जी ने जो जवाब दिया है, वह जो बात हमने कही है, उन्होंने उसी को जवाब में बताया है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि आपने जो नए AIIMS खोले हैं, उनमें जो faculty है, क्या उनमें उन सभी डॉक्टरों की नियुक्ति हुई है? मान्यवर, मैं एक उदाहरण देना चाहता हूँ। पटना एम्स आज से कई साल पहले खोला गया। वहाँ private practice allow कर दी गई। जहाँ-जहाँ private practice allow की गई है, वहाँ पर डॉक्टर कोई भी काम ठीक से नहीं कर पाते हैं। मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या आप private practice बंद करेंगी और जहाँ नए एम्स खुले हैं, वहाँ faculty में सभी डॉक्टरों की नियुक्ति करेंगी?

डा. भारती प्रवीण पवार : माननीय उपसभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो चिंता जताई है कि वहाँ डॉक्टर्स ठीक से काम नहीं कर रहे हैं, अगर वे काम नहीं कर रहे हैं, तो हम इस पर जरूर ध्यान देंगे।

हमें यह भी बताना है कि जहाँ तक recruitment के लिए advertisement की बात है, तो समय-समय पर उनके लिए advertisements निकाले गए हैं - faculty के लिए four times और non-faculty के लिए 8 बार। इस तरह से हम लगातार recruitment भी कर रहे हैं और आवश्यकता होने पर वह recruitment भी हो रही है। फिर भी जैसा माननीय सदस्य ने कहा है, मैं यही बताना चाहूँगी कि एम्स के साथ 'प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना' के तहत जिलों के अस्पतालों में 75 upgradations भी हो रहे हैं, जो इस load को कम करने का काम करेंगे। इसके साथ ही हमारे नए मेडिकल कॉलेज भी बन रहे हैं और उत्तर प्रदेश में बहुत ही अच्छे मेडिकल कॉलेज खड़े हो रहे हैं।

श्री उपसभापति : माननीय दिनेशचंद्र जेमलभाई अनावाडीया जी।

श्री दिनेशचंद्र जेमलभाई अनावाडीया : माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि चूँकि आयुर्वेद हमारी पुरानी चिकित्सा पद्धति है, तो आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए हमारी सरकार ने क्या-क्या कदम उठाए हैं?

श्री उपसभापति : यह सवाल एम्स के बारे में है। माननीय दीपेन्द्र सिंह हुड्डा जी।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा : माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से माननीय मंत्री से हरियाणा के एम्स से संबंधित दो अति महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में जानकारी चाहूँगा। पहला तो यह है कि AIIMS campus-II Jhajjar, Badsa, जो AIIMS, New Delhi के द्वारा संचालित है, जब 2009 में इसका भूमि पूजन हुआ था, तब वहाँ पर इस कैम्पस में 10 राष्ट्रीय संस्थाएँ बनेंगी, इसके लिए 300 एकड़ जमीन घोषित की गई थी। एम्स के working plan में भी उनको शामिल किया गया था, जिनमें से केवल एक, राष्ट्रीय कैंसर संस्था वहाँ पर स्थापित की गई है, लेकिन जो बाकी National Cardiovascular Centre, National Centre for Child Health and Development, Transplant Centres इत्यादि हैं, उनके लिए अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मैं इसके बारे में जानना चाहूँगा। दूसरा, मनेठी के अन्दर ...

श्री उपसभापति : माननीय दीपेन्द्र जी, आप एक ही सवाल पूछें।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा : सर, यह हरियाणा का ही प्रोजेक्ट है। मनेठी के अन्दर जो कैबिनेट ने 2002 में ...

श्री उपसभापति : माननीय दीपेन्द्र जी, आप केवल एक सवाल पूछें। माननीय मंत्री जी, माननीय सदस्य ने जो पहला सवाल पूछा है, आप उसका जवाब दीजिए। ...(व्यवधान)... प्लीज़। No, this is not the way. ...(Interruptions)...

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा : माननीय उपसभापति महोदय, मेरा सवाल एम्स से संबंधित है।

श्री उपसभापति : आपने एक सवाल पूछ लिया है, आप उसका जवाब देने दें। ...**(व्यवधान)**... हुड्डा जी, आपने एक सवाल पूछ लिया है, उसी का जवाब मिलेगा। प्लीज़। माननीय मंत्री जी।

डा. भारती प्रवीण पवार : आदरणीय उपसभापति महोदय, माननीय सदस्य ने कैंसर इंस्टीट्यूट के बारे में जो पूछा है, तो मैं जरूर कहूँगी कि झज्जर में एक अच्छा कैंसर इंस्टीट्यूट खड़ा हुआ है, जहाँ patients के अच्छे treatment के लिए उसका उपयोग भी हो रहा है। जैसा माननीय सदस्य ने मनेठी के बारे में कहा, तो मैं यह बताना चाहूँगी कि पहले वहाँ पर forest clearance की एक problem थी, वह clear नहीं हुई। उसके बाद गवर्नमेंट ने वहाँ पर नई जमीन भी identify की है। मनेठी में नए एम्स के लिए स्टेट से हमारी बात चल रही है।

श्री उपसभापति : ऑनरेबल तिरुची शिवा जी।

SHRI TIRUCHI SIVA: Sir, my supplementary question arises from the reply of the Minister. Besides, AIIMS, New Delhi, six new AIIMS which are sanctioned in phase-I of the Pradhan Mantri Swasthya Suraksha Yojana (PMSSY) are fully functional. In addition, MBBS classes and OPD services have started in ten new AIIMS. In another two AIIMS, only MBBS classes have started and limited IPD services have also been operational. Sir, I would like to know from the Minister about the status of the AIIMS that has been announced in Tamil Nadu. It has not seen the light of the day, not even the building has come up. It is years since the announcement. So, what is the status of the AIIMS that has been announced in Tamil Nadu and has not come into existence?

डा. भारती प्रवीण पवार : सर, माननीय सदस्य ने जो चिंता जताई है, वह Madurai AIIMS, Tamil Nadu के बारे में है। मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूँगी कि Madurai AIIMS का काम लगातार चालू है। इसका जो लोन है, वह हमने JICA से लिया और उसके बारे में the site is finalized at Madurai and pre-investment work is in progress. Sir, the loan agreement is also signed and the appointment of project management consultant is in progress. Sir, the MBBS classes are starting in this academic session with the help of the State Government.

श्री राम नाथ ठाकुर : माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह जानना चाहता हूँ कि दरभंगा में जो AIIMS बन रहा है, उसमें रोगियों का इलाज कब तक शुरू हो जाएगा?

डा. भारती प्रवीण पवार : माननीय उपसभापति महोदय, मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूँगी कि जो दरभंगा का AIIMS है, उसमें ज़मीन को लेकर थोड़ा विलम्ब हो रहा था, but, now the site at Darbhanga is finalized for the establishment of this new AIIMS. The State has

to hand over the free land and this land transfer document has been forwarded from the State. Thank you.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Q. No. 273.